रती v. रति·

रत्न n. gemma, margarita. Su. 1. 12. 3. 14. A. 6. 5.

रत्नद्रुम m. (e रत्न et द्रुम arbor) corallium (cf. रत्नवृक्ष apud Wils.).

रत्नद्रुममय (e praec. s. मय) *videtur significare* e coralliis factus, coralliis similis. A. 10. 2.

रत्नसङ्घातमय (*fem.* ई, e रत्नसङ्घात gemmarum vel margaritarum cumulus, suff. मय) quod e gemmarum vel margaritarum cumulo constat. Su. 3. 14.

रथ m. (ut videtur, a r. ऋ s. थ) 1) currus. N. 19. 20. 2) heros. Dr. 3. 7. 7. 3. (Lith. *rátas* rota = nom. रथस्; lat. *rota*; germ. vet. *rad* n., Them. *rada* id.; hib. *roth* id.)

रथाङ्ग (e रथ et अङ्ग membrum) 1) n. rota. 2) nomen avis, anas casarea, *the ruddy goose.* Ur. 67. 7.

रथिन् m. (a रथ s. इन्) curru praeditus, currus dominus, possessor, curru vectus. Dr. 2. 12. N. 19. 23.

रथोपस्थ v. उपस्थ·

रद् 1. P. findere, fodere. — रद् dare, *in dial. Vêd. ortum esse videtur e* दद् *mutato* द् *in* र्. Rigv. 116. 7. 117. 11. (V. रद, रदन dens et cf. अद्, मृद्, lat. *rôdo, ros-trum.*)

रद (r. रद् s. अ) 1) *Adj.* findens. Ghat. 1. 2) m. dens.

रदन m. (r. रद् s. अन) dens. Am.

रदनच्छद m. (e praec. et छद tegens) labium. Am.

रध् 4. P. रध्यामि, praet. mtf. अरन्धम्, praet. redupl. ररन्ध, fut. aux. रत्स्यामि et रधिष्यामि· 1) occidi, perire. Rigv. V. (v. Westerg.): शत्रवः ररधुष्टे (= ररन्धुस् ते)· 2) ferire, laedere, occidere. Bhatt. 9. 29.: अक्षं रधितुम् आरेभे रक्षा लङ्कानिवासिनाम् (Schol. हिंसितुम्)· — *Caus.* रन्धयामि ferire, laedere, vexare, occidere. R. Schl. II. 81. 3.: भरतं शोकसन्तप्तम् भूयः शोकैर् अरन्धयत्; Rigv. 51. 6.: अरन्धयो ऽतिथिग्वाय शम्भरम् «necasti propter *festum*, hospitibus visitandum, Sambharam». (Cf. वध्, बाध्; lat. *laedo.*)

रन्ध्र (fortasse a r. रध्, insertâ nasali, suff. र) n. cava, caverna, fissura. Megh. 43. 58. P. 14.

रप् 1. P. 1) loqui. 2) *in dial. Vêd.* laudare. Rigv. 119. 9.: उत स्या वाम् मधुमन्मक्षिका ऽरपत् «etiam illa vos mellifica apis laudavit». (Cf. लप्.)

रफ् 1. P. (गत्याम् K. गत्याम् वधे V.) ire; occidere. *Cf.* रम्फ्, रिफ्, रम्ब्, सृप् i. e. सर्प्; lat. *repo, serpo.*

रभ् 1. A. (रभे, 3. per. sing. praet. mtf. *Pass.* अरम्भि; *Caus.* रम्भयामि) c. आ incipere. R. Schl. I. 12. 37.: कर्माण्य् आरेभिरे; Man. 9. 300.: आरभेतै 'व कर्माणि ... कर्माण्य् आरभमाणं हि पुरुषं श्रीर् निषेवते; Bh. 18. 25.: मोहाद् आरभ्यते कर्म; Bhatt. 15. 58.: अक्रोधि कुम्भकर्णेन वेष्टुम् आरम्भि च क्षितौ· — *Part.* आरब्ध *tam active quam passive usurpatur.* 1) qui incepit. Su. 2. 9. N. 14. 12. 2) coeptus. Sa. 4. 5. N. 5. 21. (Simplex रभ् primitive capere significare videtur, cf. लभ्, λαμβάνω, lat. *rabies*, v. praef. सम्.)

c. आ praef. अनु capere, accipere, recipere. R. Schl. II. 64. 60.: यदि मां संस्पृशेद् रामः सकृद् अन्वारभेत वा धनम् वा यौवराज्यम् वा जीवेयम्·

c. आ praef. अभि incipere. Mah. 3. 10724.

c. आ praef. प्र *id.* Bh. 18. 15.: कर्म प्रारभते·

c. आ praef. सम् *id.* R. Schl. I. 45. 13.: आख्यातुन् तत् समारेभे·

c. परि amplecti. Gita-Gov. 1. 38.: हरिम् परिरभ्य सरागम्; 2. 13. — *Desid.* amplecti cupere. Ragh. 13. 32.: परिरिप्समानः·

c. सम् संरब्ध 1) perturbatus. N. 13. 14. 2) iratus, furens. Hit. 4. 23. R. Schl. II. 55. 30.

रम् 1. A. *interdum* P. praet. mltf. अरंसि, fut. aux. रंस्ये· 1) se delectare, voluptate frui, gaudere, oblectari. In. 3. 8.: स तेन सह सङ्गम्य रेमे पार्थः; 5. 60.: चित्रसेनेन सहितः ... रेमे स स्वर्गसद्मनि; N. 5. 43.: अवाप्य नारीरत्नम् ... रेमे सह तया; 15. 7.: रताभ्यां रंस्यसे सार्धम्; Bh. 10. 9.: तुष्यन्ति च रमन्ति च· *C. loc. rei.* Bh. 5. 22.: न तेषु रमते बुधः· — रत delectatus, laetus, gaudens, *c. loc.* N. 5. 32. Bh. 2. 42. 12. 4. 2) ludere. Bhatt. 6. 15.: मा रंस्था जीवितेन नः· — *Caus.* रमयामि 1) exhilarare. In. 5. 4.: रमयन्ती 'व फाल्गुनम्; 5. 43.: तपसा रमयन्त्य् अस्मान्· 2) se delectare, gaudere, ob-